



किसानों के साथ जुड़ाव को सुदृढ़ करेगा बोम्मईपल्ली स्थित सीएसआईआर-सीसीएमबी का तीसरा एनेक्स

बोम्मईपल्ली, 8 अक्टूबर, 2026: तेलंगाना के यादाद्री भुवनगिरि जिले के बोम्मईपल्ली गाँव में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद - कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीएसआईआर-सीसीएमबी) का अब तीसरा एनेक्स संचालित हो रहा है। वर्तमान में लगभग 50 एकड़ में फैले इस एनेक्स के एक हिस्से का उपयोग चावल की उन्नत किस्मों को उगाने के लिए किया जा रहा है। ये चावल की विभिन्न उन्नत किस्में हैं, जो संक्रमणों एवं परजीवियों के प्रति अधिक प्रतिरोधी होने के साथ-साथ मिट्टी में अधिक लवणता तथा फॉस्फोरस की कमी जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों को सहन करने में अधिक सक्षम हैं।

पहली बार, सीएसआईआर-सीसीएमबी ने अपने इस नए एनेक्स में किसानों के लिए वैज्ञानिक संवाद एवं बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक किसानों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, कृषि अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा सीसीएमबी के 100 से अधिक वैज्ञानिकों, प्रशासन से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक रूप से विकसित की गयी उन्नत, अधिक उपज देने वाली तथा जलवायु के अनुकूल फसल किस्मों को अपनाने के लिए कृषि समुदाय को प्रोत्साहित करना था।

इस कार्यक्रम में डॉ. विनय के. नंदिकूरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीसीएमबी; श्री ए. भास्कर राव, आईएएस, अपर कलेक्टर; श्री रमना रेड्डी, जिला कृषि अधिकारी; श्री उपेंद्र रेड्डी, प्रशासनिक अधिकारी/आरडीओ; श्रीमती जी. श्रीवाणी, पार्षद, बोम्मईपल्ली; डॉ. हितेंद्र के. पटेल, मुख्य वैज्ञानिक; श्री देविदास निखार, अभियंता; श्री सी. श्याम सुंदर, प्रशासन नियंत्रक, सीसीएमबी; तथा डॉ. मोहम्मद इदरीस, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीसीएमबी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जिला प्रशासन से सहयोग

डॉ. विनय नंदिकूरी ने बोम्मईपल्ली स्थित सीएसआईआर-सीसीएमबी की भूमि के स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुगम बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए यादाद्री भुवनगिरि कलेक्ट्रेट और उसके अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने सीएसआईआर-सीसीएमबी की गतिविधियों के भावी विस्तार के लिए बोम्मईपल्ली केंद्र के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एनेक्स में वैज्ञानिक एवं अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार से भोंगीर और उसके आसपास के क्षेत्रों में नए अवसर सृजित होंगे, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सतत एवं बदलती जलवायु-अनुकूल कृषि पर विशेष जोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री ए. भास्कर राव, आईएएस, अपर कलेक्टर ने सतत कृषि के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बदलती जलवायु परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम फसल किस्मों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से विकसित जलवायु-अनुकूल, अधिक उपज देने वाली और मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त फसल किस्मों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से चावल की इन उन्नत किस्मों का प्रयोग और कृषि विज्ञान में हुई प्रगति का लाभ उठाने का आह्वान किया।

श्री रमण रेड्डी, जिला कृषि अधिकारी ने नव-विकसित अधिक उपज देने वाली किस्मों के संबंध में किसानों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने किसानों की शंकाओं का समाधान किया तथा उपज की खरीद प्रक्रिया को सुगम बनाने में जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

श्री उपेंद्र रेड्डी, प्रशासनिक अधिकारी/(आडीओ) ने वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषक समुदाय के और अधिक निकट लाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सीएसआईआर-सीसीएमबी के वैज्ञानिकों को ऐसी नयी एवं उन्नत फसल की किस्मों का विकास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया, जो किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के साथ-साथ स्थायी कृषि को भी बढ़ावा दे सकें।

सीएसआईआर-सीसीएमबी और आईसीएआर-आईआईआरआर के बीच बढ़ता सहयोग

सीएसआईआर-सीसीएमबी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. हितेंद्र के. पटेल ने बताया कि धान की इन किस्मों को आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर) के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। उन्होंने इन किस्मों की विशेषताओं और संभावित फायदों पर जोर दिया, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें मधुमेह (डायबिटीज) का खतरा है। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान को ऐसी तकनीकों और उत्पादों में परिवर्तित करने के महत्व पर भी जोर दिया, जिनसे किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सके।

150 से अधिक किसानों के बीच बीज वितरण

कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर-सीसीएमबी और आईसीएआर-आईआईआरआर द्वारा संयुक्त रूप से विकसित धान की किस्मों के बीज 150 से अधिक किसानों को वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य उन्नत फसल किस्मों को खेतों में अपनाने की प्रक्रिया को सुगम बनाना तथा वैज्ञानिक अनुसंधान और कृषक समुदाय के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करना है।

इस कार्यक्रम ने किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सीधे संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, इससे किसानों को फसल की नई किस्मों की संभावनाओं और लाभों को समझने का

अवसर मिला, वहीं वैज्ञानिकों को कृषक समुदाय की व्यावहारिक आवश्यकताओं और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

नए एनेक्स के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सीएसआईआर-सीसीएमबी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ.मोहम्मद इदरीस ने बोम्मईपल्ली एनेक्स में कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में निरंतर सहयोग प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन और कृषि अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन यादाद्री भुवनगिरि जिले और आसपास के क्षेत्रों में जलवायु-अनुकूल कृषि, फसल उत्पादकता में वृद्धि, स्थायी आजीविका तथा विज्ञान-आधारित ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ।



चित्र 1: चित्र 1: कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसान

